खबर संक्षेप

एआई आधारित शिक्षा से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर फोकस करें- डीएम

मण्डला। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय मंडला में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक से पूर्व विद्यालय परिसर में निर्मित मंच का उद्घाटन कलेक्टर श्री धोटे ने विद्यार्थियों के हाथों करवाया। उन्होंने विद्यार्थियों को अवसर देते हुए उनके माध्यम से मंच का उद्घाटन कराया, जिससे विद्यार्थियों में सहभागिता और आत्मविश्वास को बढ़ावा मिला। बैठक के प्रारंभ में केंद्रीय विद्यालय की ओर से विद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों, उपलब्ध सुविधाओं तथा विभिन्न कार्यों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया। बताया गया कि विद्यालय में कुल 598 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। साथ ही, विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित शिक्षा प्रदान की जा रही है। कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी शिक्षा के महत्व को देखते हुए विद्यालय में एआई आधारित अध्ययन पर विशेष फोकस किया जाए। विद्यार्थियों को एआई की व्यावहारिक एवं उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही इस क्षेत्र में विशेषज्ञ फैकल्टी की व्यवस्था अथवा वर्तमान शिक्षकों को आवश्यक प्रशिक्षण दिलाने की दिशा में कार्य किया जाए, ताकि विद्यार्थी बदलती तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकें। उन्होंने विद्यालय की लाइब्रेरी को और समृद्ध बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि इसमें विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं भविष्य के अवसरों से संबंधित कैरियर काउंसलिंग एवं मार्गदर्शन की पुस्तकें उपलब्ध रहें। विद्यार्थियों को समय-समय पर उनकी रुचि और क्षमता के अनुरूप कैरियर संबंधी मार्गदर्शन भी दिया जाए। कलेक्टर ने विद्यार्थियों को साहित्यिक गतिविधियों से जोड़ने एवं साहित्य के प्रति रुचि विकसित करने पर भी जोर दिया।

अपने कार्यालय की तो समीक्षा कर लेते श्रीमान्

आदेश-आदेश खेल रहा प्रशासन

*** कैसें विषय विशेषज्ञ शिक्षक कर रहे कार्यालयों में बाबूगिरी।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला


संलग्नीकरण के विरोध में पारित आदेशों पर विरोधाभाष क्यों?
पहले का संलग्नीकरण वैध बाद का कैसें अवैध


पीएम श्री स्कूल में विशेषज्ञ शिक्षक नहीं-छात्र-पालक फिर पहुंचे जिला मुख्यालय
ग्रामीणों ने दी परीक्षा बहिष्कार की चेतावनी

संलग्नीकरण से जिले की शिक्षा व्यवस्था बदहाल होती चली जा रही है लेकिन समझ से परे है कि आखिर राज्य शासन के निर्देश के बावजूद नियम विरूद्ध शिक्षकों को क्यों जिला मुख्यालय एवं ब्लॉक मुख्यालयों में संलग्न किया जाता है ऐसी कौन सी मजबूरी है कि संलग्न हुये इन शिक्षकों को निर्देश के बावजूद भी हटा नहीं पा रहे। पहले एक आदेश जारी होता है कि सभी संलग्नीकरण समाप्त होंगे उसके बाद दूसरा आदेश जारी कर दिया जाता है कि अमुख तारीख तक के ही संलग्नीकरण समाप्त होंगे। अब तो अभिभावकों ने भी खुलकर कहना प्रारंभ कर दिया है कि जिन विषय विशेषज्ञ शिक्षकों को पढ़ाने में रूचि नहीं तो उन्हें इस्तीफा देकर हमेंशा के लिये बाबूगिरी ही कर लेनी चाहिये इससे कम से कम स्कूलों में स्थान रिक्त होंगे और दूसरे उन युवाओं को मौका मिलेगा जो अध्यापन कार्य में इच्छुक हैं। पदस्थापना ग्रामीण के स्कूलों में और काम जिले के कार्यालयों में बाबूगिरी का, अब ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में स्थान रिक्त नहीं तो फिर अतिथि शिक्षक की भी नियुक्ति कैसें संभव हो पाये।

जनजाति कार्य विभाग में अतिशेष एवं संलग्न शिक्षकों को मूल संस्था में वापस भेजने की प्रक्रिया के बीच जिले में गैर-शैक्षणिक कार्यों में संलग्न शिक्षकों का मामला भी सामने आया है। अभिभावकों का आरोप है कि विद्यालय में पदस्थापना दर्ज होने के बावजूद शिक्षक लंबे समय से कार्यालयों में संलग्न हैं। इसके कारण संबंधित विद्यालयों में स्वीकृत पद भरे हुए माने जा रहे हैं और आवश्यकता होने के बावजूद अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। इसका सीधा असर विद्यार्थियों की पढ़ाई पर पड़ने की बात कही जा रही है।

विभाग द्वारा 19 सितंबर 2026 को जारी संशोधित आदेश में 29 सितंबर 2023 के बाद कलेक्टर के अनुमोदन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत मंडला की स्वीकृति के बिना जारी शैक्षणिक व्यवस्था एवं पदस्थापना संबंधी कार्यादेशों को निरस्त करने की बात कही गई है। वहीं 29 सितंबर 2023 से पूर्व से संस्थाओं में कार्यरत ऐसे शिक्षकों, जिन्हें 7 सितंबर के आदेश के पालन में कार्यमुक्त किया गया है, उन्हें पूर्व संस्था में यथावत कार्यरत रहने की अनुमति दी गई है। इस संबंध में विभागीय स्तर पर कार्रवाई जारी है।

रामनगर स्कूल के दो शिक्षक कार्यालयों में संलग्न-

इसी बीच शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामनगर में पदस्थ दो शिक्षकों के लंबे समय से गैर-शैक्षणिक कार्यों में संलग्न होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार माध्यमिक शिक्षक अजय खांडेल (विज्ञान) को सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग के आदेश क्रमांक सहा. आयु./शिक्षा स्था./1590 दिनांक 29 अक्टूबर 2025 के माध्यम से वरिष्ठता सूची एवं पदोन्नति कार्य के लिए सहायक आयुक्त कार्यालय में संलग्न किया गया था।

इसी प्रकार उच्च माध्यमिक शिक्षक संजय श्रीवास्तव (अंग्रेजी) को आदेश क्रमांक स्थान.निर्वा./2026/1976 दिनांक 27 मई 2026 के माध्यम से निर्वाचन कार्यालय में मतदाता पुनरीक्षण कार्य के लिए संलग्न किया गया। बताया जा रहा है कि दोनों शिक्षक वर्तमान तक अपनी मूल शाला में वापस नहीं भेजे गए हैं।

पद विद्यालय में, शिक्षक कार्यालय में

अभिभावकों का कहना है कि दोनों शिक्षकों की पदस्थापना रामनगर विद्यालय में ही दर्ज होने के कारण संबंधित विषयों के पद भरे हुए माने जा रहे हैं। ऐसे में विद्यार्थियों की आवश्यकता के अनुसार अतिथि शिक्षक की नियुक्ति भी नहीं हो पा रही है। इससे विद्यालय में नियमित शिक्षण व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति बनी हुई है।

पीपरपानी के शिक्षक भी ए.सी. कार्यालय में-

इसी तरह जानकारी के अनुसार शिक्षक नंद किशोर मार्को, जिनकी मूल शाला पीपरपानी बताई जा रही है, वे भी सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग कार्यालय में संलग्न हैं। इससे यह सवाल उठ रहा है कि जब विभाग द्वारा विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता और अतिशेष शिक्षकों के समायोजन को लेकर कार्रवाई की जा रही है, तो लंबे समय से गैर-शैक्षणिक कार्यों में संलग्न शिक्षकों की स्थिति की भी समीक्षा क्यों नहीं की जा रही है।

अभिभावकों ने जिला प्रशासन एवं जनजाति कार्य विभाग से मांग की है कि विद्यालयों में शिक्षकों की वास्तविक आवश्यकता का आकलन कर गैर-शैक्षणिक कार्यों में संलग्न शिक्षकों को यथासंभव मूल संस्था में वापस भेजा जाए। उनका कहना है कि इससे विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होने से बच सकेगी। साथ ही विभाग द्वारा जारी संलग्नीकरण एवं पदस्थापना संबंधी आदेशों की समीक्षा कर स्पष्ट व्यवस्था लागू किए जाने की मांग भी की गई है।

नाली पर दुकान, सड़क पर टीन शेड



*** बम्हनी मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण का खेल।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

बम्हनीबंजर का मुख्य मार्ग एक बार फिर सुर्खियों में है। लंबे समय से स्थानीय लोग सड़क चौड़ीकरण की मांग कर रहे हैं, लेकिन चौड़ीकरण न होने से अब स्थानीय व्यापारियों को लगने लगा है कि सड़क चौड़ी नहीं होगी। इसी सोच के चलते वे लगातार मुख्य मार्ग के किनारे कब्जा करते जा रहे हैं।

हालात यह हैं कि अतिक्रमणकारियों ने नालियों तक पर कब्जा कर दुकानें बना ली हैं। कई जगह टीन शेड बढ़ाकर दुकानें निकाली गई हैं, जिन्हें किराए पर चलाया जा रहा है तो कोई खुद व्यवसाय कर रहा है। जबकि नियमानुसार मुख्य मार्ग से 40 से 50 फीट तक की जमीन लोक निर्माण विभाग के अधीन आती है, इसके बावजूद खुलेआम अतिक्रमण जारी है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि जनप्रतिनिधि सड़क चौड़ीकरण की बजाय पेवर ब्लॉक लगाकर विकास दिखा रहे हैं, जिसका सीधा फायदा किनारे के व्यापारियों को मिल रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिस जगह पर अब अवैध कब्जा है, वहां पहले गरीब ठेला व्यवसायी गुजर-बसर कर रहे थे। प्रशासन ने उन्हें हटाया था, लेकिन कब्जा हटवाने के लिए आत्मदाह तक की धमकी देने वाला व्यक्ति ही आज उसी जगह पर काबिज हो गया है।

प्रशासन अब दोबारा कब्जा हटवाने की बात कह रहा है, लेकिन देखना होगा कि कार्रवाई नोटिस तक सीमित रहती है या अतिक्रमण हटाने में सफलता मिलती है।

नागरिकों का कहना है कि यदि मुख्य मार्ग से अवैध कब्जा हटा दिया जाए तो यहां एक व्यवस्थित ऑटो स्टैंड बन सकता है, जिससे यातायात सुधरेगा और जाम से निजात मिलेगी।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से हेमलता को मिला आर्थिक सहारा

मण्डला। ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भवती एवं धात्री माताओं के बेहतर पोषण और स्वास्थ्य देखभाल के लिए केंद्र सरकार की 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना' एक वरदान साबित हो रही है। इस योजना का प्रत्यक्ष लाभ ग्राम मधपुरी की निवासी श्रीमती हेमलता सिंगरौरे को मिला है। गर्भावस्था के दौरान उचित पोषण और दवाइयों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, योजना के तहत ललिता सिंगरौरे के बैंक खाते में 5 हजार रुपये की राशि दो किस्तों में सीधे हस्तांतरित की गई।

श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस कृष्ण जन्म की भावपूर्ण प्रस्तुति, भक्तिमय हुआ ग्राम नेवासा



भुआबिछिया। नगर के समीप ग्राम नेवासा में स्वर्गीय शंभू सिंह राजपूत की पुण्य स्मृति में पितृपक्ष के पुनीत अवसर पर आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ के चतुर्थ दिवस भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का मनोहारी एवं भावपूर्ण प्रसंग प्रस्तुत किया गया। श्रद्धेय ऋषि महाराज , पीठाधीश्वर संकट मोचन सरकार ने श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के जन्म एवं उनकी दिव्य लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया। जैसे ही कथा में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का प्रसंग आया, पूरा कथा पंडाल "नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की" के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालु भक्ति और आनंद में झूम उठे तथा वातावरण पूरी तरह कृष्णमय हो गया। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया। भक्ति संगीत, जयघोष और धार्मिक वातावरण ने उपस्थित श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। यह धार्मिक आयोजन स्वर्गीय शंभू सिंह राजपूत की पुण्य स्मृति में उनके पुत्र गोपाल सिंह राजपूत एवं पुरुषोत्तम सिंह राजपूत तथा पौत्र प्रवीण राजपूत एवं प्रखर राजपूत द्वारा पितृपक्ष के पावन अवसर पर कराया जा रहा है। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कर रहे हैं।

जिला स्तरीय वालीबॉल क्रीड़ा प्रतियोगिता सम्पन्न हुई



भुआबिछिया। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे एवं सहायक आयुक्त डॉ अरुण शुक्ला के मार्गदर्शन एवं खेल कैलेंडर के अनुसार दिनांक 01/10/2026 को जिला स्तरीय वालीबॉल क्रीड़ा प्रतियोगिता बालक एवं बालिका जूनियर वर्ग बिछिया में सम्पन्न हुई प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी आतमजीत सिंह अहूवालिया एवं विशिष्ट अतिथि विकास खण्ड श्रोत समन्वयक हेमसिंह मरावी, जिला क्रीड़ा अधिकारी मंगल सिंह पंद्रे, हाई स्कूल मांझीपुर प्राचार्य अशोक वाजपेई , हरे सिंह वल्को उपस्थित रहे एवं पी टी आई अवध कुमार पटेल, सतीश कार्तिकेय, शशांक मिश्रा, संदीप मरावी, लक्ष्मी तेकाम, रूपेश गेडाम, पुरुषोत्तम वल्को, रीतेश मरावी, इन सभी का प्रतियोगिता सम्पन्न कराने में विशेष योगदान रहा, शुभारंभ अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी मंगल सिंह पंद्रे के द्वारा खेल की विस्तृत जानकारी दी गई जिला स्तरीय वालीबॉल क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का चयन किया गया चयनित 12 बालिका एवं 12 बालक खिलाडी मंडला जिले की टीम से दिनांक 02/10/2026 से संभागीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में बालाघाट जिले के बैहर में सहभागिता करेंगे , सभी चयनित खिलाडियों को खेल प्रेमियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

मवई में जिओ नेटवर्क की समस्या से आमजन परेशान, ग्रामीणों ने जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/मवई



मंडला जिले के मवई नगर मुख्यालय में जिओ कंपनी के नेटवर्क की खराब स्थिति से आमजन पिछले कुछ महीनों से परेशान हैं। मवई क्षेत्र में जिओ का टावर प्रमुख नेटवर्क सुविधा के रूप में काम कर रहा है, लेकिन पिछले कुछ समय से इसकी रेंज काफी कम हो गई है। स्थिति यह है कि मवई मुख्यालय और आसपास करीब एक किलोमीटर के क्षेत्र में भी कई स्थानों पर मोबाइल नेटवर्क ठीक से काम नहीं कर रहा है।

नेटवर्क की समस्या का सीधा असर विद्यार्थियों और आम नागरिकों के रोजमर्रा के कामों पर पड़ रहा है। ऑनलाइन पढ़ाई, जरूरी ऑनलाइन कार्य, मोबाइल से बातचीत सहित कई सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। वहीं किसानों को धान फसल के पंजीयन जैसे जरूरी ऑनलाइन कार्य कराने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

घर में नहीं होती बात, मवई आना पड़ता है

मवई के पोषक ग्राम रमतीला के ग्रामीणों का कहना है कि गांव में घर पर मोबाइल नेटवर्क नहीं मिलने के कारण फोन पर बातचीत तक नहीं हो पाती। ग्रामीणों को मोबाइल पर बात करने के लिए मवई मुख्यालय तक आना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार रमतीला के अलावा खुर्सीपार, बहराटोला, बिलगांव सहित आसपास के कई टोला-मोहल्लों में भी जिओ नेटवर्क की स्थिति खराब बनी हुई है।

ग्रामीणों ने जताया विरोध

नेटवर्क समस्या को लेकर गुरुवार को ग्राम रमतीला के बड़ी संख्या में ग्रामीण मवई पहुंचे और अपना विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों ने जिओ कंपनी से मांग की है कि क्षेत्र में नेटवर्क की समस्या का जल्द से जल्द स्थायी समाधान किया जाए, ताकि विद्यार्थियों, किसानों और आम नागरिकों को ऑनलाइन एवं मोबाइल सेवाओं का लाभ मिल सके।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द नेटवर्क व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो ग्रामीणों द्वारा आंदोलन किया जाएगा।

इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रानू संतोष हरदाहा निर्मल दास, प्रेमदास पड़वार, मोहित खरवार, संदीप सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।





नेटवर्क की समस्या से पढ़ाई बैंक ओर अन्य डिजिटल सेवाएं प्रभावित हो रही है जल्द से जल्द नेटवर्क की समस्याओं को ठीक किया जाए।

संदीप श्रीवास ग्रामीण

नेटवर्क की समस्या का सुधार हो सभी प्रकार के ऑनलाइन काम प्रभावित हो रहा है एवं बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है इसका सुधार जल्द किया जाना चाहिए।

पुरुषोत्तम साहू ग्रामीण





समस्या बहुत गंभीर है जिओ का नेटवर्क बहुत ही स्लो चल रहा है जबकि कंपनी के द्वारा पूरे पैसे वसूले जा रहे हैं एक तरह से खुली लूट मची हुई है जिओ कंपनी की तरफ से।

लक्ष्मी कांत पाठक

यह बहुत बड़ी समस्या है इसका समाधान होना चाहिए जिओ कंपनी के अधिकारी कर्मचारियों को इस पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि आजकल सभी कार्य ऑनलाइन से ही किया जा रहे हैं।

रानू संतोष हरदाहा

अभियान | सेवा संकल्प अभियान कलश यात्रा के द्वितीय दिवस हितग्राहियों से सीधा संवाद।

बाईकर्स का कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा से किया स्वागत

*** भाजपा जिलाध्यक्ष ने यात्रा को डिंडौरी जिला किया रवाना।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला





भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मस्थान वडनगर से कर्मस्थली वाराणसी तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान कलश यात्रा के मंडला प्रवास के दूसरे दिन विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। यात्रा का नेतृत्व गुजरात के बारडोली लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रभु भाई वसावा कर रहे हैं। द्वितीय दिवस यात्रा की शुरुआत होटल किंगफिशर से हुई। यहां भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने सेवा संकल्प कलश यात्रा में मां नर्मदा का जल अर्पित किया। इसके बाद यात्रा रामनगर की ओर रवाना हुई। बायपास स्थित बब्बू ढाबा के सामने बाइकर्स एवं कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर सेवा यात्रियों का स्वागत किया। तत्पश्चात सेवा संकल्प यात्रा पदमी चौराहा पहुंची जहां शहीद उमराव सिंह लोधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान बाइकर्स यात्रियों को शहीद उमराव सिंह लोधी के जीवन और योगदान की जानकारी दी गई। इसके बाद यात्रा रामनगर के लिए रवाना हुई। रामनगर चौराहे पर अंजनिया मंडल के कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया।

रामनगर महल में जनजातीय संस्कृति की झलक

सेवा संकल्प यात्रा गोंड शासन के ऐतिहासिक रामनगर महल पहुंची। यहां जनजातीय गौरव और संस्कृति के अनुरूप यात्रा का स्वागत किया गया। गोंड राजवंश के कुल देवी-देवताओं की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। यात्रा में शामिल पदाधिकारियों और बाइकर्स ने रामनगर महल का भ्रमण किया। इस दौरान ग्रामीणों से संवाद कर केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली गई और उनके लाभ से जुड़े अनुभव जाने गए।

सलवाह में महिला हितग्राही सम्मेलन

घुघरी कार्यक्रम के बाद सेवा संकल्प यात्रा सलवाह मंडल पहुंची, जहां महिला हितग्राही सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में महिलाओं से उनके जीवन के अनुभव साझा किए गए और यह जानकारी ली गई कि उन्हें किन-किन सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है तथा कौन-सी योजनाओं का लाभ अभी नहीं मिल पाया है। महिला हितग्राहियों ने उज्ज्वला गैस योजना, किसान सम्मान निधि, लाड़ली बहना योजना और पेंशन योजना सहित विभिन्न योजनाओं से मिल रहे लाभों की जानकारी दी।

खबर संक्षेप

तालाब के पास खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि लगातार चढ़ रही अतिक्रमण की भेंट

गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि जब लोगों को कही शासकीय खाली पड़ी हुई भूमि नजर आती है तो वह उस पर अपनी छोटी छोटी टपरिया बनाते हुए उस पर कब्जा करना शुरू कर देते है, मगर प्रशासन द्वारा इस प्रकार से शुरूआती तौर के कब्जे को नजर अदांज किये जाने का परिणाम यह होता है कि जहां शासकीय भूमि गायब हो जाती है और जब उस अतिक्रमण को हटाने का प्रयास किया जाता है तो फिर काफी समय बीत चुका होता है जिसके चलते अतिक्रमणकारियों का बचाव करने के लिए अनेक प्रभावशाली लोग खड़े हुये नजर आने लगते है इस स्थिति में प्रशासन शासकीय भूमियों को खाली कराने में अपने हाथ डालने में असफल होने लगता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के कालेज के समीप वायपास मार्ग तालाब के किनारे खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर लगातार अतिक्रमण होते हुये देखा जा रहा है, मगर प्रशासन द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि अतिक्रमणकारी रातो रात इस भूमि को अपने कब्जे में लेते हुए वहां पर अपनी दुकाने खड़ी करने से नही चूक रहे है, इस प्रकार से अतिक्रमण की भेंट चड़ रही इस भूमि के चलते जहां तालाब की सुन्दरता को ग्रहण तो लग ही रहा है साथ ही साथ यातायात में भी लोगों को परेशानियों का सामना करते हुए देखा जा रहा है, यदि प्रशासन द्वारा समय रहते हुये इस ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही यह भूमि चंद दिनों में परेशानी का कारण बनने से नही चूक पायेगी...?

नगर में पार्किंग और गंदगी की समस्याओं से लेकर लोग परेशान

गाडरवारा। हर स्थानों पर विकास हो रहा है फिर भी आज भी शहर नियोजित विकास के लिए तरस रहा है,समस्याओं का निराकरण हर जगह खानापूर्ति से ज्यादा कुछ नही होता है, यूं तो निरंतर विकास की ओर अग्रसर इस शहर में कुछ समस्याएं अब स्थायी हो गई है, क्षेत्र का विकास तो गया लेकिन यहां की समस्या कब समाप्त होगी हमेशा यही प्रश्न सामने आता है? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर में पार्किंग की समस्या विकराल रूप लेकर सामने दिखाई पड़ रही है क्योंकि लोगों के जहां मन चाहे वही वाहन खड़ा कर आराम से गप्पे हांकतें दिखाई देतें है? वही दूसरी ओर देखा जावे तो शहर में बढ़ती वाहनों की संख्या के साथ अब पार्किंग की समस्या पैदा होने लगी है, बाजार हो या आम रास्ता जहां जगह मिले वही वाहन खडें कर दिये जातें है, बेतरतीब ढंग से खड़े रहतें वाहन यातायात को भी प्रभावित करतें है, शहर के विकास में पार्किंग सुविधा को महत्व नही देने से यह समस्या बढ़तें जा रही है। वही दूसरी ओर यदि नगर के एक मात्र बस बस स्टैंड की बात की जावे तो जो यात्री के लिए बना हुआ है, यदि वहां पर देखा जावे तो उसका स्वरूप ही बदल गया यह एक व्यावसायिक केन्द्र बन कर रह गया है जहां यात्रियों को सुविधा की बजाए ढेरों मुसीबतों से जूझना पडता है, यहां यात्रीयों को सुविधाओं के लिए पीने का पानी, अच्छी बैठक व्यवस्था, साफ सफाई व्यवस्थाओं की कमी सदा ही देखने मिलती ही है? स्थिति यहां तक देखने मिली है कि यहां तो गाड़ियो की पार्किंग मनमाने ढंग से की जाती है, मानों उन्होने बस स्टैंड को ही घर बना लिया हो और जहां मर्जी आए वहां गाड़ी खड़ी कर देतें है, वही यात्री प्रतीक्षालय के सामने लगने वाली फुटपाथ दुकानों से भी यात्री परेशान होतें है।

धान में इल्ली और फुंदी का प्रकोप, किसान परेशान; कृषि विभाग से मदद नदारद

धान-गन्ने में कीटों का कहर, किसान खुद खरीद रहे दवाएं, कृषि विभाग की भूमिका पर सवाल









हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। कहने के लिये तो केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को अनेक प्रकार की योजनायों के नाम गिनाते हुये सहायता पहुंचाने की बात कही जाती है।मगर जब किसानों को अपने खेती के लिये जिस जरूरी सामग्री की आवश्यकता होती है। मगर वह नही मिल पाती है। वही दूसरी ओर किसानों को उचित कृषि संबंधी सालह देने के लिये कृषि विभाग तो बना हुआ है। क्योंकि विभाग से जुडे अखिकारी खोजने से भी दर्शन देना उचित नही समझे है जिसके चलते खेती का धंधा करना मुश्किल होने से नही चूक रहा है..? इस समय देखा जावे तो जहां क्षेत्र का अन्न देता आने वाले दिनों में अपने खेतों में बोनी करने के लिये तैयारी मे जुटा हुआ है। मगर खाद को लेकर परेशान होते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर इस दिनों किसानोंके खेतों में खड़ी हुई धान सहित गन्ना फसल में जिस तरह अनेक प्रकार की बीमारियाँ फैल रही है मगर शासन प्रशासन द्वारा उन बीमारियों से बचाव को लेकर किसी भी प्रकार की शासन द्वारा मदद मिलते हुये दिखाई नही दे रही है..? इस तरह लगातार कुछ वर्षो से प्रकृति मार अन्नदाताओं के ऊपर इस तरह पड़ रही हे कि वह उससे उभर ही नही पा रहा है। क्योंकि इस वर्ष जिस प्रकार इन्द्रदेव द्वारा कृपा करते हुये बारिश के रूप में जो आर्शीवाद प्रदान किया गया था उसके चलते निश्चित ही क्षेत्र के किसानों में काफी हद तक यह उम्मीद जाग गई थी कि शायद इस बार उनकी किस्मत साथ दे देगी और वह परेशानियों से उभर जावेगे। मगर लगातार हुई बारिश के चलते जहां किसानों के खेतों में लगाई हुई उडद तथा सोयाबीन फसल प्रभावित होने से नही बच पाई है तो दूसरी ओर हालत यह देखे जा रहे है कि खेतों में खड़ी हुई धान सहित गन्ना फसल में फुंदीनुमा कीट व इल्ली दिखाई देने से किसानों के चेहरों पर फिर चिंता के बादल मडराते हुये साफ दिखाई देने लगी है। क्योंकि किसानों के मन मुताबिक बारिश होने के चलते निश्चित ही किसानों के खेतों में लहलहाती हुई धान से निकलने वाली खुशबू किसानों के चेहरों पर खुशी का इजहार करने में कोई कसर नही छोड़ रही थी। मगर पता नही कि आखिरकार किसानों के चेहरों पर दिखाई देने वाले खुशी को कौन सा ग्रहण लगा हुआ है जिसके चलते हर वर्ष अचानक किसानों के ऊपर इस प्रकार का मार पड़ते हुये देखी जाती है कि उनके खेतों में तैयार होने के नजदीक पहुंचने वाली फसल बर्बाद होने लगती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस वर्ष धान व गन्ना की फसल को देखते हुये भी जान पड़ रहा है..? क्योंकि लम्बे अंतराल के बाद यह पहला वर्ष देखने मिल रहा था कि किसानों द्वारा अपनी धान व गन्ना फसल को बचाने के लिये नलकूपों के पानी का कम ही उपयोग करने की जरूरत महसूस की गई हो? क्योंकि बीते हुये कई वर्षो बाद धान व गन्ना की फसल हेतु इस वर्ष अच्छी बारिश से निश्चित ही जहां धान व गन्ना की खेती करने वाले किसानों के चेहरों पर खुशी ला दी गई थी जिसके चलते पर्याप्त मात्रा में बारिश होने के कारण किसानों के खेतों में धान व गन्ना की फसल जोरदार स्थिति में पहुंचने के बाद अब वह अंतिम स्थिति की ओर पहुंचने वाली ही थी कि मगर अचानक फसल में जिस प्रकार से फंदी व इल्लीनुमा रोक लगाते हुये देखा जा रहा है उसके चलते खेतों में खड़ी हुई किसानों की फसल बर्बाद होने से नही चूक पा रही है? शायद क्षेत्र के किसानों के सामने भी ऐसा पहला मौका होगा जब धान की फसल में उनके द्वारा इस प्रकार से इल्ली लगते हुये देखा जा रहा है? इस प्रकार से इल्लीनुमा पैदा हो रही कीट वाली बीमारी का सही नाम तो पता नही चल पा रहा है। मगर कुछ लोग इसे फाल आर्मी वर्म कीट का नाम देते हुये देखे जा रहे है..? इस प्रकार किसानों की धान गन्ना फसल को इस कीट द्वारा जिस प्रकार से बर्बाद करने के साथ साथ उसकी पैदा बढ़ते हुये देखी जा रही है उसके चलते किसानों द्वारा अपनी फसल को बचाना मुश्किल हो गया है? इस प्रकार से किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसल जिस प्रकार से बर्बाद होते हुये देखी जा रही है उस ओर न तो प्रशासन द्वारा किसी प्रकार का ध्यान दिया जा रहा है और न ही कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा जिसके चलते लगातार बढ़ रहे इस कीट से अपनी धान फसल को बचाने के लिये क्षेत्र का किसान कीट नाशक दुकानों की अंदाज के आधार पर कीट नाशक दबाईयाँ खरीदने के बाद उनका छिड़काब करते हुये देखा जा रहा है। मगर इसके बाद भी इस कीट की बढ़ती हुई पैदावार पर अंकुश नही लगने के कारण किसानों को आर्थिक बोझ सहन करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है? जबकि नियम अनुसार सरकार द्वारा किसानों को फसलों में लगने वाली कीटों के बचाव के लिये कृषि विभाग की स्थापना की गई जिसमें तैनात अधिकारियों द्वारा किसानों के बीच पहुंचकर उन्हें कीटों से अपनी फसलों को बचाने के लिये उचित सलाह देना चाहिये। मगर कृषि विभाग इस समय जिस प्रकार से अपनी कुंभकर्णी निद्रा में देखा जा रहा है उससे किसानों को किसी भी प्रकार का कोई लाभ मिलते हुये दिखाई नही पड़ पा रहा है और उनकी धान फसल लगातार बर्बादी की कगार पर पहुंचने से नही चूक पा रही है? इस प्रकार से यदि किसानों की सच्चाई पर देखा जावे तो क्षेत्र के अनेक किसानों द्वारा अपने अधिकतर रकवे में धान फसल को इस सोच के साथ लगाया गया था कि धान व गन्ना फसल सबसे सुरक्षित रहती है जिसके चलते बीते हुये कुछ वर्षो से लगातार प्रकृति की मार झेलते हुये किसान इस वर्ष गन्ना व धान फसल के माध्यम से अपनी स्थिति सुधारने में सफल होते हुये उसी जमीन पर बोनस के रूप में दूसरी फसल पैदा करने लगे। मगर किसानों की इस सोच को अचानक धान व गन्ना फसल में पैदा हुई इल्लीनुमा कीट व फुंदी ने ग्रहण लगाने में कोई कसर नही छोड़ी गई है।

सांदीपनि स्कूल साईंखेड़ा के विद्यार्थियों को आवागमन के लिए मिली 15 स्कूल बसों की सौगात



हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दादा धूनी वालों की नगरी साईंखेड़ा स्थित सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में नई स्कूल बस सेवा का शुभारंभ अनुज प्रताप सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में हुआ। विद्यालय को विद्यार्थियों के आवागमन के लिए 15 स्कूल बसें प्राप्त हुई हैं। बस सेवा प्रारंभ होने से विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। इस अवसर पर अनुज प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुये उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने तथा परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता अर्जित करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने लक्ष्य को निर्धारित कर निरंतर मेहनत करें और शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन करें। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं विद्यालय परिवार ने नई बस सेवा को विद्यार्थियों की सुरक्षा और सुविधा की दृष्टि से महत्वपूर्ण पहल बताया। नई बस सेवा से विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को भी आवागमन की चिंता से राहत मिलेगी। इस अवसर पर गौरीशंकर खेमरिया, धर्मपाल सिंह, सचिन अग्रवाल, कीरत सिंह पटेल, दिग्विजय राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दुर्गम पहाड़ों की राह पार कर लक्ष्मी के घर पहुंचा पक्की छत का सपना

हरिभूमि न्यूज/बारहाबड़ा। सतपुड़ा की ऊंची पहाड़ियों के बीच बसा बड़ागांव जो ग्राम पंचायत मोहपानी से करीब 14 किलोमीटर दूर स्थित है। जहां गांव तक पहुंचना आज भी आसान नहीं है। कहीं पथरीली चढ़ाई, संकरे रास्ते और कई जगह पैदल सफर ऐसे कठिन हालातों के बीच यहां रहने वाले परिवारों तक विकास की योजनाओं का लाभ पहुंचाना भी किसी चुनौती से कम नहीं है। इन्हीं परिवारों में से एक हैं श्रीमती लक्ष्मी भारिया पति श्री रामफल भारिया। कभी कच्चे मकान में गुजर-बसर करने वाला उनका परिवार बारिश, ठंड और गर्मी के मौसम में परेशानियों का सामना करता था। बरसात में घर से पानी टपकता था और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती थी। श्रीमती लक्ष्मी भारिया के जीवन में बदलाव तब आया, जब वर्ष 2023-24 में पीएम जनमन योजनांतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत दो लाख रुपये की सहायता से उनके पक्के आवास को स्वीकृति मिली। कच्चे मकान से पक्के घर की ओर बढ़ता यह सफर आसान नहीं था, क्योंकि आवास निर्माण की सामग्री को बड़ागांव की पहाड़ियों तक पहुंचाना बड़ी चुनौती थी। प्रशासन ने दुर्गम क्षेत्र के पात्र परिवारों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए। आधार कार्ड, बैंक खाते और ई-केवायसी जैसी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कराकर लक्ष्मी सहित पात्र परिवारों को आवास योजना से जोड़ा गया। बड़ागांव में सामान्य परिवहन साधनों की पहुंच नहीं थी। ऐसे में आवास निर्माण की सामग्री गांव तक पहुंचाने के लिए स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप रास्ता निकाला गया। सीमेंट, लोहा और अन्य सामग्री खच्चरों के सहारे पहाड़ी रास्तों से निर्माण स्थल तक पहुंचाई गई। जहां ईंट और गिट्टी पहुंचाना कठिन था, वहां स्थानीय स्तर पर ही उनकी व्यवस्था और निर्माण कराया गया। प्रशासनिक टीम, ग्रामीणों, श्रमिकों और हितग्राहियों के सामूहिक प्रयास से मुश्किल रास्ते आसान होते गए और पहाड़ की ऊंचाई पर पक्के आवास आकार लेने लगे। बताया जाता है कि आज श्रीमती लक्ष्मी भारिया का पक्का घर उनके परिवार के लिए सिर्फ एक भवन नहीं है। यह सुरक्षा, सम्मान और बेहतर जीवन की नई शुरुआत है। लक्ष्मी बताती हैं कि पहले कच्चे मकान में मौसम की मार और घर की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती थी। अब पक्का मकान बनने से परिवार सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण में रह रहा है। घर में स्वच्छता, सुरक्षा और रहने की सुविधाओं में भी सुधार हुआ है। वह इस बदलाव के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करती हैं।

ताइक्वांडो में एंजिल कौरव ने शानदार प्रदर्शन करते हुये स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय टीम में बनाई जगह



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। मध्य प्रदेश शासन द्वारा हर साल शालेय खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्र छात्राओं के लिये अलग अलग खेलों के आयोजनों के माध्यम से उनके अंदर छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाने से नही चूकती है। इसी प्रकार से इस साल भी शिक्षा विभाग से 70 वीं शालेय प्रतियागिताओं का आयोजन किया जा रहा है। बताया जाता है कि मध्यप्रदेश के सतना जिले में आयोजित 70वीं शालेय ताइक्वांडो (मार्शल आर्ट) खेल प्रतियोगिता में गाडरवारा नगर की प्रतिभाशाली खिलाड़ी एंजिल प्रताप सिंह कौरव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल करते हुये जहां अपने साथ साथ नगर का नाम रोशन किया गया है। बताया जाता है कि एंजिल ने जबलपुर संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए लगातार मुकाबलों में जीत दर्ज कर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। एंजिल ने भोपाल, ग्वालियर, सतना, इंदौर सहित विभिन्न महानगरों से आए अपने प्रतिद्वंद्वियों के विरुद्ध बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की गई है। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से ओशो धरा गाडरवारा का नाम गौरवान्वित हुआ है। स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही एंजिल प्रताप सिंह कौरव का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। वह 23 अक्टूबर को श्रीनगर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। एंजिल की सफलता ने एक बार फिर साबित किया है कि छोटे शहरों की प्रतिभाओं में भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने की पूरी क्षमता है। अब सभी की निगाहें श्रीनगर में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता पर हैं, जहां एंजिल मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को आगे बढ़ाएंगी।

चित्रकला प्रतियोगिता में गुरूकुलम की छात्रा ने अपनी संस्था का किया नाम रोशन



हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। निश्चित तौर से जब किसी भी बेटा या बेटी को अपने अंदर छिपी हुई प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है तो वह अपने साथ साथ अपने माता पिता सहित अपनी संस्था का नाम रोशन करने में पीछे नही रहते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर के गुरूकुलम इंटरनेशनल हायर सेकेण्डरी स्कूली की छात्रा में देखने मिला है। बताया जाता है कि सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में गुरुकुलम इंटरनेशनल हाइयर सेकेंडरी स्कूल सालीचौका की कक्षा 12वीं की छात्रा आयुषी अहिरवार सुपुत्री रामकुमार अहिरवार ने जिले में अपना परचम लहराते हुये चित्रकला प्रतियोगिता में सर्वोच्च स्थान हासिल कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान पक्का किया है। छात्रा की इस सफलता पर जिला कलेक्टर श्रीमति रजनी सिंह ने छात्रा की प्रतिभा की सराहना करते हुये सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि प्रतियोगिता के दौरान जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने आयुषी की कलाकृति का बारीकी से अवलोकन किया और इस उन्होंने छात्रा से उसकी चित्रकला की विषय-वस्तु और विचारों को लेकर संवाद किया तथा उसकी रचनात्मक सोच और कलाकौशल की सराहना की। कलेक्टर ने आयुषी को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं गई।

कॉलेज के आडिटोरियम में दिया गया शिक्षकों सहित आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण



हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर को आँगनबाडियों सहित स्कूलों में बच्चों को कृमि से बचाव हेतु एलबेंडाजोल की गोलियां खिलाई जाती है। गुरुवार को स्थानीय शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के आडिटोरियम में स्वास्थ्य विभाग द्वारा शासकीय व अशासकीय स्कूलों के शिक्षकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ को अलग अलग चरणों में प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान शिक्षकों व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों की दर्ज संख्या के मान से गोलियां दी गई एवं उनसे ऑनलाइन प्री एवं पोस्ट टेस्ट करवाया गया। प्रशिक्षण में स्वास्थ्य विभाग से बीसीएम प्रवीण राय ने बताया कि कृमी से बचाव हेतु 6 अक्टूबर को राष्ट्रीय कृमी मुक्ति दिवस मनाया जाता है। बच्चों के पेट में कृमी होने से उनको स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होती है। आने वाले 6 अक्टूबर को स्कूलों में बच्चों को शिक्षक के सामने अनिवार्य रूप से खाने के बाद गोली जरूर दें। इस दौरान जो बच्चे उस दिन स्कूल नहीं आते है उन्हें मापअप दिवस यानि की 9 अक्टूबर के दिन गोली दें। प्रशिक्षण में बीपीएम नरेन्द्र विश्वकर्मा ने भी शिक्षकों को आवश्यक जानकारियाँ दी। इस अवसर पर प्रवीण पटैल, मनीष यादव के अलावा महिला बाल विकास साइखेड़ा से पर्यवेक्षक पूनम ठाकुर गाडरवारा नगर सहित पलोहा सेक्टर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं उपस्थिति रही एवं शासकीय अशासकीय स्कूलों के नोडल शिक्षक उपस्थित रहे।

जनपद पंचायत चीचली में 3 अक्टूबर को लगेगा सेवा सेतु शिविर, "सरकार आपके द्वार" के तहत एक ही सुनी जाएंगी समस्याएं

हरिभूमि न्यूज/चीचली। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से "सेवा सेतु अभियान—सरकार आपके द्वार" के अंतर्गत विकास खंड स्तरीय शिविर का आयोजन कल 3 अक्टूबर 2026 को प्रातः 11 बजे से जनपद पंचायत प्रांगण, चीचली में किया जाएगा। मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, भोपाल के पत्र क्रमांक रा.वि./सेवा-सेतु/2026/7592, दिनांक 24 सितंबर 2026 एवं कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी, नरसिंहपुर के निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आमजन को उपलब्ध कराने के साथ उनकी समस्याओं एवं शिकायतों का मौके पर यथासंभव त्वरित निराकरण किया जाएगा। शिविर में पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी, पात्रता एवं लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया से अवगत कराया जाएगा। साथ ही संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्राप्त आवेदनों एवं समस्याओं पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। वही बताया जाता है कि इस शिविर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत चीचली ने क्षेत्र के नागरिकों एवं हितग्राहियों से अपेक्षा व्यक्त की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में उपस्थित हों और अपनी समस्याओं, शिकायतों एवं योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का निराकरण कराने के साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करें।

पार्किंग के इंतजाम बिना बैंक शाखाएं, पलोटन गंज मार्ग पर यातायात व्यवस्था बेपटरी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। विकास की गति पकड़ रहे गाडरवारा क्षेत्र में इन दिनों जहां नई नई बैंक शाखाये आते हुये देखी जा रही है तो दूसरी ओर पूर्व में संचालित बैंकों द्वारा भी शहर के पुराने स्थलों पर परेशानियों के चलते दूसरे स्थानों पर परिवर्तित होते हुये देखी जा रही है। इस तरह देखा जावे तो गाडरवारा शहर का राठी तिरहा से लेकर पलोटन गंज तक मुख्य मार्ग माना जाता है। इस मार्ग पर लगातार बैंक शाखाओं को स्थापित होते हुये देखा जा रहा है। मगर जिन स्थानों पर यह बैंक शाखाये स्थापित हो रही है उन स्थानों पर ग्राहको के लिये वाहन खड़े करने की पर्याप्त सुविधा नही होने के कारण इस मार्ग पर जाम की स्थिति बनने से नही चूक पाती है। क्योंकि लोगों द्वारा बैंकों को अपने आवासों में सभी प्रकार की सुविधाये उलब्ध कराने की बात कहते हुये किराये पर तो दे दिये जाते है। मगर जब बैंक स्थापित हो जाती है तो वह सुविधाये गायब रहने के चलते लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। इस बात की सच्चाई सच्चाई इस समय नगर के पलोटन गंज क्षेत्र में देखने मिल रही है। बताया जाता है कि पलोटन गंज से शासकीय चिकित्सालय की ओर जाने वाले मार्ग पर बीते हुये वर्षो में अनेक बैंके स्थापित हो चुकी है। मगर इन बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों को वाहन खड़े करने के लिये पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नही कराये जाने के कारण जहां बैंक आने जाने वाले लोगों द्वारा मुख्य मार्ग पर ही अपनी वाहन खड़े कर दिये जाते है। इस स्थिति के चलते इस मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रहना आम बात हो चुकी है। इतना ही नही कभी कभी हालत तो इस तरह से देखे जाते है लोगों द्वारा यहां पर निवास करने वाले लोगों के घरों के सामने तक वाहन खड़े करते हुये बैंक के अंदर चले जाते है। जिसके चलते लोग अपने घरों से नही निकल पाते है। इस मार्ग से जहां गांवों से आने वाले लोग पुलिस थाना, न्यायालय, तहसील कार्यालय, शासकीय चिकित्सायल आना जाना करते है दूसरी ओर यह मार्ग अनेक स्कूलों को भी पहुचाता है। इस हालत में प्रतिदिन स्कूली छात्र छात्राओं को भी अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। इतना ही नही कभी कभी तो हालत इस तरह से निर्मित होते हुये देखे जाता है कि जब कोई एम्बुलेंस गाड़ी किसी मरीज को लेकर शासकीय चिकित्सालय जा रही होती है और इन बैंक शाखाओं के सामने मुख्य मार्ग पर खड़े रहने वाले वाहनों के चलते एम्बुलेंस तक नही निकल पाती है।

मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे खड़े रहने वाले बडे वाहन बन रहे परेशानी का कारण

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से सड़कों पर यातायात बढ़ रहा है। उसके चलते आये दिन घटनाएं घटित होना आम बात होती चली जा रही है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो गाडरवारा पिपरिया मार्ग पर जिस प्रकार से बड़े वाहनों की धमाचौकड़ी मची हुई उसके चलते आये दिन घटित होने वाली घटनाओं के चलते आम लोगों की जान खतरे में पड़ रही है, मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस मार्ग पर सड़क किनारे बने हुए ढ़ाबो पर जिस प्रकार से सड़क किनारे बड़े वाहन खड़े रहते है उसके चलते यातायात प्रभावित तो हो ही रहा है साथ ही साथ आम लोगों की जिन्दगी भी खतरे से खाली नही है..? बताया जाता है कि नगर के समीप शांति दूत तिरहा के पास से लेकर कामती की ओर जाने वाले मार्ग पर बडे वाहनों में ट्रक व डम्फर इस प्रकार से खड़े कर दिये जाते है जिसके चलते जब यहां से छोटे वाहनों व स्कूली बच्चों का निकलना होता है तो उन्हें आगे का मार्ग दिखाई ही नही पड़ता है। कुछ इसी प्रकार का हाल इस मार्ग पर कामती व सांईखेड़ा की ओर जाते वक्त रास्ते में पड़ने वाले ढ़ाबों के पास देखा जाता है जहां पर दिन दिन भर इन बड़े वाहन चालको द्वारा अपने वाहनों को सड़क के किनारे खड़ा करते हुए भोजन करने में लग जाते है और आम लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए छोड़ दिया जाता है। इस प्रकार से सड़क किनारे खडे होने वाले वाहनों की ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने से लग रहा है कि शायद प्रशासन द्वारा किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने का इंतजार किया जा रहा हो? क्योंकि सड़को के किनारे ढ़ाबाओं का संचालन करने वालो द्वारा अपने स्वार्थ के चलते कारोबार तो किया जा रहा है। मगर उनके द्वारा इन वाहनों के पार्किंग हेतु कोई उचित व्यवस्था नही बनाई गई है जिसके चलते वाहन चालक सड़क किनारे ही अपने वाहनों को खड़ा करने से नही चूकते है। इस सच्चाई को लेकर प्रशासन से अपेक्षा व्यक्त की जा रही है कि नगर के आमगांव नाका शांतिदूत तिरहा सहित इस मार्ग के ढ़ाबो के सामने सड़क किनारे खड़े होने वाले वाहनों पर अंकुश लगाया जावे जिससे किसी बड़ी घटना को घटित होने के पहले रोक लग सके, यदि समय रहते हुए प्रशासन द्वारा इस ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है?

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर बुजुर्गों का सम्मान





डिंडोरी। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर गुरुवार को साकेत नगर स्थित माँ नर्मदा वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य विभाग एवं माय भारत के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान वृद्धजनों का सम्मान करने के साथ उनके स्वास्थ्य की जांच की गई तथा उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाइयां उपलब्ध कराई गईं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पांडे ने कहा कि "बुढ़ापा जीवन का अवसान नहीं, बल्कि अनुभवों का शिखर है।" उन्होंने वृद्धजनों के निरोगी, स्वस्थ एवं आनंदमय जीवन की कामना करते हुए कहा कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके जीवन के अनुभव नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण स्रोत हैं।

सिविल सर्जन डॉ. रमेश मरावी ने कहा कि उम्र का बढ़ना जीवन की स्वाभाविक एवं अपरिहार्य प्रक्रिया है। हमें बुजुर्गों के अनुभवों से सीख लेते हुए उनका सम्मान और सहयोग करना चाहिए।आयोजन के दौरान वृद्धाश्रम में निवासरत बुजुर्गों की आंखों, सांस, रक्तचाप एवं ब्लड शुगर सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांचें की गईं। जांच के बाद चिकित्सकीय परामर्श के साथ आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं। साथ ही 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के बुजुर्गों के निशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की जानकारी दी गई।कार्यक्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रभा सिंह तेकाम, लेखपाल राजकुमार साहू, आश्रम संचालक नोखे लाल यादव, फार्मासिस्ट अभिलाषा मारकाम, नर्सिंग ऑफिसर अनिता एक्का, उपयंत्री सुरुचि पराते सहित माय भारत के कार्यकर्ता आर.पी. कुशवाहा एवं शिल्पी साहू उपस्थित रहे। इस अवसर पर वृद्धजनों को फल भी वितरित किए गए।

खबर संक्षेप



बुधगांव में जल संरक्षण की पहल, 300 बोरियों का बोरी बंधान

डिंडौरी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत कारोपानी के ग्राम बुधगांव में जिला प्रशासन के निर्देशन में जल एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर बोरी बंधान और पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्राम पंचायत एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक श्रमदान किया।कार्यक्रम के दौरान जल एवं मृदा संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 300 बोरियों का बोरी बंधान तैयार किया गया। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण एवं क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के लिए 100 पौधों का रोपण किया गया। आयोजन के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते, रेडक्रॉस अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके अलावा जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, वन विभाग के अधिकारी, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक, विकासखंड समन्वयक बजाग, सरपंच सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, मेंटर्स, नवांकुर संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों के सदस्य एवं ग्राम पंचायत कारोपानी की महिलाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने ग्रामीणों को लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण, स्वच्छता बनाए रखने तथा जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया। उपस्थित लोगों ने जलस्रोतों के संरक्षण और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सामूहिक संकल्प भी लिया। कार्यक्रम के माध्यम से श्रमदान और सामूहिक सहभागिता के जरिए जनभागीदारी का संदेश दिया गया। आयोजन को सफल बनाने में ग्राम पंचायत कारोपानी, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, मेंटर्स, नवांकुर संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों एवं ग्रामीणों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शारदा टेकरी में सांसद कुलस्ते ने किया पौधरोपण



डिंडौरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बुधवार को शारदा टेकरी, सुबखार में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा पदाधिकारियों ने फलदार और छायादार पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण तथा क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के दौरान बड़नगर से बनारसी तक निकाली जा रही युवा मोर्चा की संकल्प सेवा यात्रा का स्वागत किया गया। जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने यात्रा में शामिल युवाओं का अभिनंदन किया। इसके बाद यात्रा में शामिल युवाओं एवं जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से पौधरोपण किया। युवाओं ने सेवा, समर्पण एवं सामाजिक सहभागिता के संकल्प के साथ अभियान में भागीदारी की। इस अवसर पर सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, भाजपा जिलाध्यक्ष चमरू सिंह नेताम एवं प्रदेश युवा मोर्चा महामंत्री राकेश परस्ते ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम में संवाद करने वाली महिलाओं से भी मुलाकात की। उन्होंने महिलाओं से कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के विचारों एवं संबोधन से जुड़े अनुभवों तथा उनके जीवन एवं सोच पर पड़े प्रभाव के बारे में चर्चा की। महिलाओं ने भी अपने अनुभव एवं विचार साझा किए।

वृक्षारोपण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रकृति का संतुलन बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। केवल पौधरोपण करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल, सिंचाई एवं सुरक्षा भी जरूरी है। उन्होंने सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से समाजसेवा और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया। भाजपा जिलाध्यक्ष चमरू सिंह नेताम ने अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण एवं सेवा कार्यों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। वहीं प्रदेश युवा मोर्चा महामंत्री राकेश परस्ते ने युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्हें सामाजिक एवं सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते, नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता सारस, जिला उपाध्यक्ष महेश धूमकेती, पूर्व जिलाध्यक्ष नरेंद्र राजपूत, पूर्व जिलाध्यक्ष अवधराज बिलैया, जिला मीडिया प्रभारी राज साहू, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष पारसराम नागेश, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अंजू व्यवहार, महिला मोर्चा अध्यक्ष कीर्ति गुप्ता, पूर्व उपाध्यक्ष महेश पाराशर, मंडल अध्यक्ष आशीष वैश्य, पार्षद रजनीश राय, पूर्व महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष नरवरिया मरकाम, महामंत्री भागीरथ उतैती, रजनी श्रीवास, मंडल उपाध्यक्ष हरिहर पाराशर, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र परमार, पूर्व युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अनिश शर्मा, चंद्रिका गोसाई, तरुण ठाकुर, अजय बर्मन, आशीष सोनी, सत्यम मानिकपुरी, यशवंत तोमर एवं नंद कुमार ठाकुर सहित भाजपा पदाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि, युवा मोर्चा के सदस्य एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण, नियमित सिंचाई एवं सुरक्षा की सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जनसंवाद एवं सामाजिक सेवा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया।

करौंदी में सेवा संकल्प अभियान के तहत 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम संपन्न



शहपुरा

शहपुरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत करौंदी के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-2 में सेवा संकल्प अभियान के तहत 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम पंचायत की सरपंच दुर्गा बाई बनवासी, सुपरवाइजर संगीता बैरागी, केंद्र क्रमांक-2 की कार्यकर्ता प्रमिला साहू और सहायिका सिया साहू उपस्थित रहीं। साथ ही केंद्र क्रमांक-1 की कार्यकर्ता रंजना दुबे व सहायिका सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं और बच्चों ने सहभागिता की। आयोजन के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र से जुड़ी गतिविधियों के साथ-साथ उपस्थित महिलाओं व बच्चों को महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं और सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना और ग्रामीणों को केंद्र की सुविधाओं से सीधे जोड़ना रहा। कार्यक्रम में बच्चों और महिलाओं से संवाद कर पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी सेवाओं की जानकारी साझा की गई। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विभागीय सेवाओं को अधिक प्रभावी और जनोपयोगी बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

स्वामित्व अधिकार के अतिरिक्त कार्य से अलग रखने की मांग

पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों ने कलेक्टर और जनपद सीईओ के नाम सौंपा संयुक्त ज्ञापन



शहपुरा- पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक संघ, जनपद पंचायत शहपुरा द्वारा कलेक्टर डिंडोरी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत शहपुरा के नाम संयुक्त ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में स्वामित्व अधिकार अंतर्गत अतिरिक्त कार्य नहीं करने संबंधी मांग रखी गई है।ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि राजस्व विभाग के अंतर्गत स्वामित्व अधिकार अभिलेखों के निष्पादन एवं पंजीयन का कार्य ग्राम पंचायतों में संचालित किया जा रहा है। राजस्व मंत्रालय, वल्लभ भवन भोपाल के आदेश क्रमांक 2860/MPLRS/2026, दिनांक 24 सितंबर 2026 के अनुसार ग्राम पंचायत सचिवों को सौंपे गए दायित्वों के तहत व्यापक प्रचार-प्रसार एवं शिविरों में स्थानीय स्तर पर सहयोग किया जा रहा है। संयुक्त ज्ञापन के अनुसार ग्राम पंचायत सचिवों द्वारा ग्राम में मुनादी कराई गई, बैनर-पोस्टर लगाए गए तथा पंचायत भवन में बैठक व्यवस्था आदि की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।ज्ञापन में आगे कहा गया है कि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शहपुरा द्वारा भूमिधारकों के आवेदन ऑनलाइन करने संबंधी निर्देश दिए गए हैं। संघ के अनुसार इस प्रक्रिया में अत्यधिक समय लगने के साथ नेटवर्क की समस्या भी सामने आ रही है। इसके कारण पंचायत सचिवों को अपने अन्य विभागीय कार्य करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है और प्रगतिरत तथा विभागीय कार्यों के निष्पादन में भी प्रगति प्रभावित हो रही है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि विभागीय अधिकारियों द्वारा दबाव डालते हुए वेतन कटौती का विकल्प बताया जा रहा है।

प्रचार-प्रसार और शिविरों में सहयोग की सहमति- पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक संघ ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि ग्राम पंचायत सचिवों एवं ग्राम रोजगार सहायकों को आवेदन पत्र ऑनलाइन करने के अतिरिक्त कार्य से अलग रखा जाए। वहीं स्वामित्व अधिकार से संबंधित प्रचार-प्रसार एवं शिविरों के आयोजन में सहयोग करने के लिए अपनी सहमति व्यक्त की है।

बिना रॉयल्टी खनिज परिवहन करते चार हाइवा पकड़े



डिंडौरी। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शहपुरा द्वारा खनिज के अवैध परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बिना रॉयल्टी दस्तावेज के खनिज संपदा का परिवहन कर रहे चार हाइवा वाहनों को पकड़ा गया है। कार्रवाई अमठेरा के पास की गई।जानकारी के अनुसार विक्रमपुर की ओर से आ रहे चार हाइवा वाहनों को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा अमठेरा के पास रोककर जांच की गई। वाहनों में खनिज संपदा लदी हुई थी। जांच के दौरान वाहन चालकों द्वारा खनिज परिवहन से संबंधित रॉयल्टी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इसके बाद प्रशासन ने चारों वाहनों को जब्त कर लिया।कार्रवाई के पश्चात जब्त वाहनों को शहपुरा थाने के सुपुर्द किया गया। तहसीलदार शाहपुरा द्वारा मौके पर पंचनामा तैयार कर चारों वाहनों को शहपुरा थाने में खड़ा कराया गया है। अब मामले में खनिज विभाग द्वारा नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।बताया जा रहा है कि पकड़े गए चारों हाइवा वाहन उदित इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी, रीवा से संबंधित हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद खनिज के बिना वैध दस्तावेज परिवहन करने वालों में हड़कंप की स्थिति है।

श्राद्ध की थाली सजी, कौए का इंतज़ार बढ़ा

हरिभूमि न्यूज कोतमा। श्राद्ध पक्ष शुरू होते ही घरों में पितरों के निमित्त भोजन तैयार किया जा रहा है। परंपरा के अनुसार कई परिवार भोजन का एक हिस्सा कौए के लिए रखते हैं और उसके आने की प्रतीक्षा करते हैं। स्थानीय लोगों और बुजुर्गों का कहना है कि पहले की तुलना में अब कई इलाकों में कौए कम दिखाई देते हैं और श्राद्ध के दौरान उनके आने में भी अधिक समय लग जाता है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर कौओं की संख्या में कमी को लेकर कोई ठोस सर्वेक्षण या आंकड़ा उपलब्ध नहीं होने से इसे निश्चित तौर पर संख्या में गिरावट कहना उचित नहीं होगा। कभी घरों की छतों, आंगनों और आसपास के पेड़ों पर कौओं की मौजूदगी आम मानी जाती थी। श्राद्ध के दिनों में भोजन रखने के बाद कुछ ही समय में कौए के पहुंचने की याद आज भी बुजुर्गों के जेहन में है। अब कई परिवारों को इंतजार के दौरान कबूतर, मैना और दूसरे पक्षी दिखाई देते हैं, जबकि कौआ देर से पहुंचता है या कई बार नजर ही नहीं आता।

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का हुआ सम्मान



शहपुरा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर के वार्ड क्रमांक 9 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में 'आंगन मिलन सेवा—हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के साथ बच्चों और महिलाओं के लिए संचालित गतिविधियों में जनभागीदारी बढ़ाना रहा।कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को शाल-श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया तथा उनके सेवाभावी कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य देखभाल, टीकाकरण, गर्भवती एवं धात्री माताओं को पोषण संबंधी मार्गदर्शन, प्रारंभिक शिक्षा, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण तथा कुपोषण की रोकथाम सहित विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई।वक्ताओं ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल बच्चों के पोषण एवं प्रारंभिक शिक्षा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि स्वस्थ, शिक्षित एवं सशक्त समाज की नींव तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से बच्चों और माताओं तक शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का बेहतर लाभ पहुंचाया जा सकता है।कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल अध्यक्ष एवं पार्षद सुरेंद्र साहू, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष घनश्याम कछवाहा, मंडल उपाध्यक्ष तुलसीदास गुप्ता, रामलाल रजक, पार्षद देवेंद्र वनवासी, मंडल उपाध्यक्ष हरीश राय, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष राजेश गुप्ता, राजू सोनी, मुकेश गुप्ता एवं सुपरवाइजर प्रतिभा साहू सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं उपस्थित रहीं।आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में अनीता साहू, सुनीता रजक, पार्वती साहू, दुर्गेश साहू, सरिता गुप्ता, सुलेखा यादव, इंदिरा गोस्वामी एवं मीरा तेकाम तथा सहायिकाओं में सत्य वनवासी, लक्ष्मी वरमैया, कौशल्या साहू एवं इंद्रा यादव उपस्थित रहीं। आशा कार्यकर्ताओं मीना विश्वकर्मा, रेखा उसराठे एवं रानी अग्रवाल ने भी कार्यक्रम में सहभागिता निभाई।



सेवा संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत 'कहानी बदलाव—सफलता की कथा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन को प्रेरक सफलता की कहानियों के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन, जनभागीदारी और सेवा भावना के प्रति जागरूक करना रहा।कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य संदीप सिंह के निर्देशन एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सीमा डावर के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की प्रेरक सफलता कथाओं को कहानी एवं भाषण के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

डॉ. राकेश कुमार पटले ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर अनेक लोगों ने अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हुए आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों में शिक्षा, स्वरोजगार, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सुरक्षा, ग्रामीण विकास, स्वच्छता एवं आत्मनिर्भरता जैसे विषयों को प्रमुखता से शामिल किया।प्रेरक कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने संदेश दिया कि सही जानकारी, निरंतर प्रयास और उपलब्ध अवसरों का सदुपयोग व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन ला सकता है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सेवा, समर्पण एवं सामाजिक जिम्मेदारी को जीवन में अपनाने का संकल्प भी लिया। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव केवल योजनाओं के माध्यम से नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से संभव है।कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने प्रेरक कहानियों एवं भाषणों की प्रस्तुतियां दीं, जिनमें प्रतिभागियों ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।कार्यक्रम में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक रामकुमार टेकाम, आशीष कुमार मरावी, डॉ. सुनील काकोड़िया, डॉ. निगहत खान सहित कर्मचारी सुमनलता मरावी, ऋचा जंघेला, कांति धुर्वे, सूरजवती, खुशी व्याम, आरती मरावी, ओमकार वाटिया, प्रेमशाह उइके, मंगलसिंह दुलारिया, कमलेश वास्पे तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वृद्धजनों का किया सम्मान

112 वृद्धजनों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण







हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, वरिष्ठ समाज सेवी रामसनेही पाठक, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह सहित अन्य अतिथियों की मौजूदगी में कलेक्टर कार्यालय किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों ने माला पहनाकर और श्रीफल देकर वृद्धजनों का सम्मान किया। आयुष और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा लगाए गए स्वास्थ्य स्टॉल में वृद्धजनों ने अपना- अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। इस अवसर पर 112 वृद्धजनों ने अपना बीपी, शुगर आदि की स्वास्थ्य जांचें करवाई और उन्हें आवश्यक दवाईयां वितरित की गई। आयुष विभाग के द्वारा वृद्धजनों को काड़े और आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण किया। कार्यक्रम के दौरान वृद्धजनों को साइबर ठगी से बचाव एवं डिजिटल साक्षरता के संबंध में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूक किया। उन्हें साइबर अपराधों से सतर्क रहने, अनजान व्यक्तियों के साथ व्यक्तिगत एवं बैंकिंग जानकारी साझा नहीं करने तथा डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने का संदेश दिया गया। यह कार्यक्रम सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।

वृद्ध समाज की धरोहरः श्रीमती ठाकुर

जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर ने कहा कि वृद्धजन आज के समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव, समर्पण और त्याग से नई पीढ़ी को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा और ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि वृद्धजन उस वट वृक्ष के समान हैं, जिसकी छांव और सीख समाज को सदैव मार्गदर्शन प्रदान करती है। उन्होंने वृद्धजनों से कहा कि कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए स्वास्थ्य परीक्षण स्टॉल पर पहुंचकर अपने स्वास्थ्य की जांच अवश्य कराएं। नियमित स्वास्थ्य परीक्षण से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त होती है और समय रहते आवश्यक सावधानी एवं उपचार किया जा सकता है।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वृद्धजन अपने जीवन के अनुभवों को आज की पीढ़ी के साथ साझा करें, ताकि युवा पीढ़ी गलत रास्तों से दूर रहकर अच्छे मार्ग पर आगे बढ़ सके और अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सके। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों ने अपने जीवन में अनेक संघर्षों और चुनौतियों का सामना किया है। उनके अनुभव और जीवन से मिली सीख आज की पीढ़ी के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन का कार्य कर सकती है। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि पहले के समय की जीवनशैली अपनाने वाले अनेक वृद्धजन आज भी स्वस्थ एवं सक्रिय हैं। उन्होंने वृद्धजनों से इसी तरह स्वस्थ और सक्रिय बने रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बुजुर्गों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। वृद्धजन इन योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन को और बेहतर बनाएं तथा सक्रिय रूप से समाज से जुड़े रहें।

वृद्धजन संस्कृति और परंपराओं के संवाहकः श्री पाठक

वरिष्ठ समाज सेवी श्री रामसनेही पाठक ने कहा कि वृद्धजनों ने अपने जीवन के अमूल्य अनुभवों से आने वाली पीढ़ियों को महत्वपूर्ण सीख दी है। उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनके योगदान का सम्मान करने के उद्देश्य से इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि वृद्धजन आज भी अपने अनुभवों के आधार पर नई पीढ़ी को आगे बढ़ने का मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। श्री पाठक ने कहा कि जिस परिवार में बुजुर्गों का मान-सम्मान और उनकी सेवा होती है, उस परिवार में सुख, शांति और समृद्धि का वातावरण बना रहता है। वृद्धजन हमारी संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों के संवाहक हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में वर्ष 2047 तक भारत को विकसित भारत के रूप में देखने का संकल्प है। भावी पीढ़ी तक देश की संस्कृति, परंपराओं और भारत की पहचान को सुरक्षित रूप से पहुंचाने में वृद्धजनों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों ने अपने जीवन और कार्यों के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को सहेजने और आगे बढ़ाने का कार्य किया है। उनके अनुभव और जीवन मूल्य समाज की अमूल्य विरासत हैं, जिन्हें नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।



छात्र दल ने किया महाविद्यालय का शैक्षणिक भ्रमण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

स्कूल शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल के निर्देशानुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति में व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत ट्रेड अपेरल एण्ड सेल्फ एम्प्लॉयड में रोजगार कौशल की भूमिका से स्कूली छात्र-छात्राओं को अवगत कराने तथा उनके कैरियर काउंसलिंग की दिशा में श्रीमती रमता चैबे, प्राचार्य शासकीय उ.मा. विद्यालय उमरिया (चिनकी) के मार्गदर्शन में उनके विद्यालय के छात्र-छात्राओं के दल ने एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर का शैक्षणिक भ्रमण किया। उल्लेखनीय है कि कक्षा 10 वीं एवं 11 वीं में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न आयामों से परिचय कराने हेतु कैरियर काउंसलिंग कैम्प में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग एवं एड. रचित तिवारी डायरेक्टर एम.आई.एम.टी. लॉ कॉलेज ने विषय चयन, विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रम, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां आई.टी. क्षेत्र में रोजगार के अवसर, सेल्फ स्टार्टअप तथा कौशल विकास हेतु छात्र-छात्राओं से संवाद स्थापित किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाऐं दी। उक्त अवसर पर विभागाध्यक्ष श्रीमती अनीता रघुवंशी, रीतेश मालवीय एवं शासकीय उ.मा. विद्यालय उमरिया (चिनकी) के छात्र-छात्राओं के दल प्रभारी श्रीमती संगीता श्रीवास्तव वोकेशनल टीचर, सुरेन्द्र चैधरी वोकेशनल टीचर, श्रीमती चन्द्रवती लोधी एवं अनिल कुमार नेमा सहित भ्रमण दल के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सहा. प्राध्यापक शिशिर मिश्रा एवं भूपेन्द्र चैधरी द्वारा स्मार्ट क्लास के माध्यम से अपेरल ट्रेड डिजिटल मार्केटिंग.आई., ई-कॉमर्स, जावा स्क्रिप्ट, चैट जी.पी.टी., गेम डेवलपर, चैट जी.पी.टी., यूट्यूबर्स, सॉफ्टवेयर एडिटर तथा कैरियर गाइडेंस के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गयी। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार डॉ. मेजर पराग नेमा द्वारा किया गया। छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय की अधोसंरचना अतंर्गत समस्त प्रयोगशालाओं, स्मार्ट क्लास, तथा एम.आई.एम.टी. लॉ कॉलेज में लीगल एड क्लिनिक, मूट कोर्ट एवं पुस्तकालय का भ्रमण कराया गया।

आरोपियों से चोरी की गई 3 मोटर साइकिलें बरामद



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बीते दिनों माल गोदाम के पास थाना स्टेशनगंज क्षेत्र से एक मोटरसाइकिल चोरी होने तथा 24.09.2026 को इतवारा बाजार थाना कोतवाली क्षेत्र से एवं किसानी वार्ड स्थित सूने मकान से मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत पर संबंधित थानों में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान मुखबिर सूचना के आधार पर थाना कोतवाली पुलिस ने कपूरी फाटक के पास दो व्यक्तियों को मोटरसाइकिलें सस्ते दाम पर बेचने की फिराक में घूमते हुए पकड़ा। पूछताछ में आरोपियों यशवंत झारिया एवं रामप्रसाद कहार द्वारा अपने साथी दीपक ठाकुर के साथ मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया गया। आरोपियों से चोरी की 03 मोटरसाइकिल, कुल कीमत 2,25,000 बरामद की गई हैं।

सातवें वेतनमान की मांग को लेकर किया प्रदर्शन



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्थानीय कार्यालय एजीएम (ओए) परिसर में ऑल यूनियंस एंड एसोसिएशंस ऑफ बीएसएनएल संयुक्त मोर्चा के बैनर तले कर्मचारियों और अधिकारियों ने तृतीय वेतन पुनरीक्षण तथा सातवें वेतनमान के क्रियान्वयन को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और एकजुटता का परिचय दिया। सभा में उपस्थित वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि लंबे समय से वेतन पुनरीक्षण न होने से कर्मचारियों में गहरा असंतोष है और जब तक उनकी न्यायोचित मांगें पूरी नहीं होतीं, यह संघर्ष जारी रहेगा। बीएसएनएलईयू नरसिंहपुर के जिला सचिव देवेंद्र कुमार चंदेल ने इस सफल आंदोलन के लिए उपस्थित सभी साथियों का आभार व्यक्त किया।

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला ईकाई की बैठक हुई संपन्न



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया दद्दा के निर्देशानुसार आज नरसिंहपुर जिले में संभागीय उपाध्यक्ष संजय जैन एवं जिला अध्यक्ष बालमुकुंद विनोद कोरी, महासचिव मनोज नौरिया एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति में जनपद पंचायत के सभागार में जिला इकाई की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बालमुकुंद विनोद कोरी ने की। बैठक में नवीन वर्ष 2027 की ऑनलाइन सदस्यता कर संगठन विस्तार, पत्रकारों की सुरक्षा, अधिमान्यता को लेकर चर्चा की गई। बैठक में प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया के संदेश का वाचन किया गया, जिसमें उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का हर श्रमजीवी पत्रकार हमारे परिवार का सदस्य है। संगठन उसकी कलम की ताकत भी है और उसके सुख-दुख का साथी भी है। नरसिंहपुर इकाई निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता का उदाहरण बने। जिला कार्यकारिणी का शीघ्र विस्तार किया जाएगा। तहसील स्तर पर सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। पत्रकारों की समस्याओं को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा। आगामी प्रदेश स्तरीय अधिवेशन में नरसिंहपुर से अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।



नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विधि विभाग के लीगल ऐड क्लिनिक द्वारा प्रभारी प्राचार्य डॉ एस के उप्रेलिया के मार्गदर्शन मे एवं डॉ चेतना उपाध्याय प्रभारी लीगल ऐड क्लिनिक के निर्देशन मे नुक्कड नाटक का आयोजन सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत डिजिटल अरेस्ट थीम पर नुक्कड नाटक का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य था साइबर सुरक्षा एवं अपराध के सम्बंध में जागरुकता प्रसारित करना नुक्कड नाटक की प्रस्तुति विधि विभाग के छात्रः छात्राओं के द्वारा दी गयी जिसमें किस तरह साइबर ठग के द्वारा कॉल करके ऑनलाइन अरेस्ट किया जाता है एवं पैसे की मांग की जाती है एवं कैसे उनके ही घर मे जागरुकता के कारण वो ठग से बच जाते है इसको नाटक के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।



विचार गोष्ठी आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में समन्वय परिवार एवं सच्चिदानंद आश्रम ने बताया कि आज 2 अक्टूबर शाम 4 बजे से सच्चिदानंद आश्रम में आयोजित विचार गोष्ठी में विभिन्न वर्ग और संगठन के प्रतिनिधि अपनी बात रखेंगे। समन्वय परिवार ने सभी से उपस्थित कपिल की है।



गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस महात्मा गांधी की जन्म जयंती के अवसर पर जी श्री इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में महात्मा गांधी के जीवन दर्शन पर बच्चों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने स्वच्छता अभियान की झलक दिलाते हुए अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाये रखने की अपील की गई। यहां पर बच्चों ने ना केवल महात्मा गांधी बल्कि भगत सिंह शिवा जी झांसी की रानी लाल बहादुर शास्त्री का सजीव चित्रण किया।

नवदुर्गोत्सव समीति द्वारा मनाया बच्चों का जन्म दिन





तेंदूखेड़ा। विगत दिवस नगर की नव दुर्गोत्सव समिति गांधी चौक के द्वारा नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में जाकर वहां के छात्र शुभम विश्वकर्मा एवं गुरुकुल आधार शिला इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में छात्रा अनमिका सिंह तोमर के जन्मदिन पर बच्चों को बधाईयां प्रेषित की गई एवं उज्वल भविष्य की कामना के साथ टाफी खिलाकर मुंह मीठा कराया गया।

आदमी का व्यवहार और समर्पण ही सम्मान पाता है

विदाई समारोह में बोले न्यायधीश



तेंदूखेड़ा। विगत दिवस शासकीय महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य डॉ आर के झा की शासकीय सेवावधि पूर्ण हो जाने पर उन्हें महाविद्यालय परिवार में सादे समारोह में विदाई सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें सिविल न्यायालय के मजिस्ट्रेट शिवकांत कुशवाहा ने कहा कि व्यक्ति के आचरण व्यवहार और संस्था के प्रति समर्पण ही सम्मान पाता है। हमें जो जवाबदेही प्रदान की गई है उन्हें निर्विवाद रूप से पूरी ईमानदारी से पूर्ण कर लेने से हमारी सजगता प्रदर्शित तो होती है वहीं समाज में भी एक अलग पहचान बनती है। गुरु से ही शिक्षा ग्रहण करके छात्र संस्कार बान बनता है।महाविद्यालय में जनभागीदारी समिति के सुरेंद्र खेरोनिया ने डा झा की कार्यकुशलता मिलनसारिता महाविद्यालय के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उनके कार्यकाल को हमेशा याद रखने की बात कही तथा महाविद्यालय का नाम अमर शहीद डेलनशाह नरवर शाह के नाम से करने की बात कही।वहीं एस बी आई के शाखा प्रबंधक जेतवान धावडें ने गुरु की महिमा और बच्चों में गुरु शिष्य परंपरा का उल्लेख करते हुए प्राचार्य डा झा की कार्यशैली और व्यवहार की प्रशंसा की। विदाई ले रहे डा झा ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को जो दायित्व निर्धारित किए गए हैं। उनके लिए ईमानदारी से निभाते हुए समाज में रचनात्मक सकारात्मक दिशा में मिलकर काम करना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति एक दूसरे का पूरक है।कमी हर जगह हुआ करतीं हैं लेकिन उन्हें आपसी सामाजस्य से पूरा भी कर लिया जाता है। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन से हुआ उपस्थित सभी अतिथियों द्वारा प्राचार्य डा आर के झा का शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा पुष्पा हारों से सम्मानित किया। तथा उनके यशस्वी दीर्घायु सुखमय जीवन की मंगल कामना करते हुए उनके अनुभवों का लाभ समाज को मिलने की वात रखी गई। महाविद्यालय के संपूर्ण स्टाप की तरफ से भी सम्मानित कर स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

एनसीसी प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित



गोटेगांव। 1 एमपी एनसीसी बटालियन के अंतर्गत विद्यालय में संचालित एनसीसी इकाई द्वारा उभरती प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित शासकीय सांदीपनि विद्यालय गोटेगांव मेंकिया गया। कार्यक्रम 1 एमपी बटालियन जबलपुर के सूबेदार गोपाल सिंह, हवलदार योगेश पुनेरा एवं नेमा स्वीट्स के संचालक शैलेश कुमार नेमा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।कार्यक्रम की शुरुआत पायलट कैडेट्स द्वारा अतिथियों के स्वागत एवं भारत माता के चित्र के समक्ष माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन से हुई। अतिथियों का स्वागत गीत एवं कैडेट्स द्वारा हस्त निर्मित बुके से किया गया।इस वर्ष शूटिंग प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराने वाली कॉर्पोरल प्राची मेहरा का उनके अभिभावकों सहित मोमेंटो देकर उत्साहवर्धन किया गया। स्पोर्ट्स शूटिंग में राज्य स्तर पर विद्यालय को गोल्ड मेडल दिलाने वाली सार्जेंट प्राची कनेरिया सहित शूटिंग टीम के कॉर्पोरल प्रदुम यादव, लांस कॉर्पोरल सुहानी एवं लांस कॉर्पोरल अमन सिलावट का भी सम्मान किया गया।कार्यक्रम के दौरान सूबेदार गोपाल सिंह ने नवीन कैडेट्स को शूटिंग की प्रक्रिया एवं चयन प्रक्रिया की जानकारी दी। शैलेश नेमा ने एनसीसी परेड के दौरान स्वच्छ एवं पौष्टिक रिफ्रेशमेंट उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। प्राचार्य एस.के. सिसोदिया ने कैडेट्स को एनसीसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया।कार्यक्रम का संचालन सार्जेंट प्राची कनेरिया और लांस कॉर्पोरल नंदिनी ने किया। अंत में वरिष्ठ शिक्षक एस.के. नाहर ने आभार व्यक्त किया।

सरकारी ड्यूटी या निजी प्रैक्टिस? गोटेगांव CHC में चिकित्सकों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल

बीएमओ की भूमिका भी जांच के घेरे में



गोटेगांव। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोटेगांव में पदस्थ कुछ चिकित्सकों की कार्यप्रणाली को लेकर शिकायतें सामने आई हैं। शिकायतकर्ता पक्ष का आरोप है कि शासकीय सेवा में पदस्थ कुछ चिकित्सक निर्धारित ड्यूटी अवधि में अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध रहने के बजाय सरकारी आवास अथवा अस्पताल से बाहर निजी तौर पर मरीजों का उपचार कर रहे हैं। आरोपों की पुष्टि फिलहाल जांच का विषय है।शिकायत के अनुसार डॉ. इंद्रल सिंह दंडोतिया के संबंध में समीर मेडिकल हॉस्पिटल के सामने स्थित निजी क्लीनिक में मरीजों का उपचार किए जाने का आरोप है। वहीं डॉ. रजनी सिंह के संबंध में सरकारी आवास से निजी क्लीनिक संचालित किए जाने की शिकायत सामने आई है। हाल ही में पदस्थ हुईं डॉ. निष्ठा अग्रवाल को लेकर भी सरकारी आवास से निजी मरीजों का उपचार किए जाने का आरोप लगाया गया है।इन शिकायतों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होने पर ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है।बीएमओ को जानकारी देने के बाद भी कार्रवाई पर सवालशिकायतकर्ता पक्ष के अनुसार मामले की जानकारी विकासखंड चिकित्सा अधिकारी शंकर सिंह धुर्वे को बीते सप्ताह दी गई थी। इसके बाद इस सप्ताह दोबारा संपर्क कर शिकायत पर हुई कार्रवाई और वर्तमान स्थिति की जानकारी लेने का प्रयास किया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि स्पष्ट कार्रवाई की जानकारी देने के बजाय मामले को टालने अथवा अस्पष्ट जवाब देने का प्रयास किया गया।इस संबंध में हुई बातचीत की कॉल रिकॉर्डिंग उपलब्ध होने का दावा भी किया गया है। शिकायतकर्ता पक्ष का कहना है कि आवश्यकता पड़ने पर रिकॉर्डिंग वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत की जा सकती है।ड्यूटी समय को लेकर भी उठे सवालशिकायतकर्ता पक्ष का दावा है कि पूर्व बातचीत के दौरान बीएमओ द्वारा चिकित्सकों की ड्यूटी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक होने की बात कही गई थी। साथ ही यह भी बताया गया कि चिकित्सक लगभग दोपहर 1 बजे तक ओपीडी में रहने के बाद भोजन के लिए अपने सरकारी आवास चले जाते हैं।यदि रिकॉर्डिंग में ऐसी बात प्रमाणित होती है तो यह भी जांच का विषय होगा कि निर्धारित ड्यूटी अवधि में चिकित्सकों की वास्तविक उपस्थिति कहां रहती है और उस दौरान शासकीय मरीजों को चिकित्सा सुविधा किस प्रकार उपलब्ध कराई जाती है।दोपहर बाद अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों की जिम्मेदारी किसकी?सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि दोपहर 1 बजे के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने वाले मरीजों को चिकित्सकीय सुविधा कौन उपलब्ध कराता है? यदि चिकित्सक सरकारी ड्यूटी पर हैं तो अस्पताल में उनकी उपलब्धता किस प्रकार सुनिश्चित की जाती है? और यदि वे सरकारी आवास पर मौजूद रहते हैं, तो उस दौरान उनकी गतिविधि क्या होती है?शिकायतकर्ता पक्ष का यह भी आरोप है कि अस्पताल की कवरेज अथवा निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों के दोपहर में भोजन के लिए घर जाने की बात सामने आती है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या निर्धारित ड्यूटी अवधि में चिकित्सकों के अस्पताल से बाहर रहने की कोई स्वीकृत व्यवस्था है। यदि ऐसी व्यवस्था है तो संबंधित आदेश और वैकल्पिक चिकित्सकीय व्यवस्था भी स्पष्ट की जानी चाहिए।ग्रामीण मरीजों पर पड़ सकता है सीधा असरसरकारी अस्पताल में बड़ी संख्या में ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर मरीज उपचार की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं। यदि निर्धारित शासकीय ड्यूटी के दौरान चिकित्सक अस्पताल में उपलब्ध नहीं रहते और मरीजों को निजी उपचार की ओर जाना पड़ता है, तो इसका सीधा असर मरीजों पर पड़ सकता है।हालांकि, यह स्पष्ट करना जरूरी है कि निजी प्रैक्टिस अथवा ड्यूटी से अनुपस्थिति संबंधी लगाए गए आरोपों की अभी स्वतंत्र जांच से पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए संबंधित चिकित्सकों का पक्ष और विभागीय रिकॉर्ड सामने आना भी आवश्यक है।वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका पर भी सवालमामले में एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि यदि संबंधित अधिकारियों को शिकायत की जानकारी पहले ही दी गई थी, तो अब तक क्या कार्रवाई की गई? क्या शिकायत को लिखित रूप से दर्ज किया गया? क्या चिकित्सकों की उपस्थिति, ओपीडी रिकॉर्ड अथवा ड्यूटी रोस्टर की जांच की गई?यदि जांच नहीं की गई है तो यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि शिकायत मिलने के बाद विभागीय स्तर पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई।शिकायतकर्ता पक्ष का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि इस आरोप की भी स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है।**CMHO** और वरिष्ठ अधिकारियों से निष्पक्ष जांच की अपेक्षामामला किसी एक चिकित्सक या अधिकारी तक सीमित नहीं है। सवाल सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में मरीजों को निर्धारित समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होने का है।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, नरसिंहपुर सहित स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से अपेक्षा है कि मामले को मौखिक जवाब तक सीमित रखने के बजाय रिकॉर्ड आधारित, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराई जाए।यदि आरोप निराधार हैं तो जांच के माध्यम से स्थिति स्पष्ट हो जाएगी और संबंधित चिकित्सकों को भी लगाए गए आरोपों से राहत मिलेगी। वहीं यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो नियमानुसार जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।अंततः सवाल यही है कि जो मरीज सरकारी अस्पताल में इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचता है, उसे निर्धारित शासकीय ड्यूटी अवधि में चिकित्सा सुविधा मिल रही है या नहीं। इस सवाल का जवाब रिकॉर्ड और निष्पक्ष जांच से ही सामने आना चाहिए।